

---

# Shridhara Ashtakam

---

## श्रीधराष्टकम्

---

### Document Information



---

Text title : Shridhara Ashtakam 3

File name : shrIdharAShTakam3.itx

Category : deities\_misc, gurudev, shrIdharasvAmI, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : sachchidAnanda avadhUta svAmI

Proofread by : Paresh Panditrao

Description/comments : shrIdharasvAmI stotrANi. shrIdharasandesah

Latest update : January 14, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 15, 2023

*sanskritdocuments.org*


---




श्रीधराष्टकम्



यतो वाचो निर्वर्तन्ते अप्राप्य मनसेति च ।  
आनन्दघनरूपं तं श्रीधरं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ १ ॥  
यस्मात्परतरं नास्ति नेति नेतीति वै श्रुतिः ।  
मनसा वचसा नित्यं तं गुरुं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ २ ॥  
यं ज्ञात्वा मुनयः सर्वे मुच्यन्ते सर्वबन्धनात् ।  
सत्यं ज्ञानमनन्तं तं श्रीधरं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ ३ ॥  
योऽभयं सर्वभूतेभ्यो यस्मिन्सर्वं प्रतिष्ठितम् ।  
श्रीगुरोर्ब्रह्मरूपं तं श्रीधरं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ ४ ॥  
आलोड्य सर्वशास्त्राणि निश्चिन्वन्ति मुनीश्वराः ।  
ध्येयं सद्गुरुमित्येव तं गुरुं प्रणमाम्यहम् ॥ ५ ॥  
निष्कलं निष्क्रिय शान्तं निरवद्य निरञ्जनम् ।  
अमृतस्य परं सेतुं श्रीधरं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ ६ ॥  
क्षीरे क्षीरे यथा क्षिप्तं तैलं तेले तथा गुरौ ।  
स्वशिष्यमेकतां कर्ता तं गुरुं नौमिसादरम् ॥ ७ ॥  
वेदान्ते परमं गुह्यं गोचरं तमगोचरम् ।  
सच्चिदानन्दरूपं तं श्रीधरं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥ ८ ॥  
श्लोकाष्टकमिदं पुष्पं गुरुपूर्णिमपूजया ।  
श्रीगुरोः पादयुगलौ श्रद्धा भक्त्या निवेदितम् ॥ ९ ॥  
इति श्रीमत् प. प. सच्चिदानन्द अवधूत स्वामीविरचितं  
श्रीसद्गुरु श्रीधराष्टकं सम्पूर्णम् ।

——  
*Shridhara Ashtakam*

pdf was typeset on January 15, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

